यूपीईएस में आयोजित हुआ सस्टेनेबिलिटी फेयर 3.0

- उत्तरदायित्व, अनुसंधान और नवीनीकरण को केंद्र में रखते हुई कॉन्फ्रेंस

भास्कर समाचार सेवा

यूपीईएस में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते अतिथि व पदाधिकारी।

देहरादून। यूपीईएस में आयोजित तीसरे सस्टेनेबिलिटी फेयर का आयोजन 5वीं अंतरराष्ट्रीय सस्टेनेबिलिटी कॉन्फ्रेंस ऑन हेल्थ, सेफ्टी, फायर एंड एनवायरनमेंटल एडवांसेज के तहत किया गया।

इस आयोजन में शैक्षणिक नेताओं, उद्योग विशेषज्ञों, नीति निर्माताओं और छात्रों ने भाग लिया और सस्टेनेबिलिटी से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों और नवाचारों पर चर्चा की। इस सम्मेलन में 1500 से अधिक प्रतिनिधियों और प्रतिष्ठित उद्योगों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जिन्होंने उद्योग से जुड़े अनुभव साझा किए और नेटवर्किंग तथा विचारों का आदान-प्रदान किया।

यह भव्य आयोजन मेकीन एनर्जी, अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान प्रतिष्ठान, आनंद फैब्रिकेटर्स एंड इंजीनियर्स, उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, कोर ईएचएस, फायर एंड सिक्योरिटी एसोसिएशन ऑफ इंडिया और यूनिवर्सिटी ऑफ सरे, स्प्रिंगर, एल्सेवियर, एमडीपीआई जैसे अकादमिक व प्रकाशन भागीदारों के सहयोग से आयोजित किया गया।

सम्मेलन का उद्घाटन पद्म विभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी (पर्यावरणविद एवं हिमालयन एनवायरनमेंटल स्टडीज एंड कंजर्वेशन ऑर्गनाइजेशन के संस्थापक) की उपस्थिति में हुआ। उन्होंने अपने जोशीले भाषण में सस्टेनेबिलिटी पर केंद्रित कार्यों की तात्कालिकता और समाज की समस्याओं के समाधान में अनुसंधान की भूमिका को रेखांकित किया। उद्घाटन समारोह में यूपीईएस के कुलपति प्रो. राम शर्मा ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद रजिस्ट्रार, प्रो-वाइस चांसलर और डीन रिसर्च एंड डेवलपमेंट ने भी अपने विचार साझा किए। सम्मेलन संयोजक और सस्टेनेबिलिटी क्लस्टर के प्रमुख प्रो. बिक्रम प्रसाद यादव ने सम्मेलन के उद्देश्य और कार्यक्षेत्र पर प्रकाश डाला। उत्कृष्ट योगदान के लिए 45 से अधिक उद्योग विशेषज्ञों और संगठनों को पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार प्राप्त करने वाले संगठनों में लोहुम क्लीनटेक प्राइवेट लिमिटेड, टेकनिप एनर्जी लिमिटेड, रिलायंस, शिवगंगा ड्रिलर्स प्राइवेट लिमिटेड, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, वेदांता, डेलॉयट, रिगल रेक्सनॉर्ड, एलएंडटी, निकमार यूनिवर्सिटी, हेनकेल एडहेसिव्स टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ईआरएम, मेकीन एनर्जी, शापूरजी पल्लोनजी ग्रुप, डीएलएफ लिमिटेड, आईटीसी लिमिटेड, टाटा प्रोजेक्ट्स, ओएनजीसी, एचपीसीएल, नौफ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, लॉयड्स मेटल्स एंड एनर्जी लिमिटेड आदि शामिल थे।

समापन सत्र में पद्म श्री कल्याण सिंह रावत ने संबोधन दिया, जो उत्तराखंड के मैती आंदोलन के प्रेरणास्रोत हैं। इस आंदोलन का उद्देश्य सामाजिक अवसरों, जैसे कि विवाह आदि से जोड़कर वृक्षारोपण को बढ़ावा देना और पर्यावरण के प्रति जागरूकता फैलाना है।